DEMONSTRATION BY WOMEN DEMANDING STRENGTHENING OF THE PUBLIC DISTRIBUTION SYSTEM AND PROVISION OF 33 PER CENT RESERVATION TO WOMEN IN PARLIAMENT AND STATE LEGISLATIVE ASSEMBLIES

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : सभापति महोदय, माननीय प्रधानमंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, मैं उनसे निवेदन करना चाहूंगी कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है और इस ऐतिहासिक दिन के मौके पर संसद के बाहर हिंदुस्तान के कोने-कोने से आई हुई हजारो महिलाएं संघर्ष सभा के तहत एकत्रित हैं। ये महिलाएं सिर्फ अपनी मांग को लेकर एकजुट नही हुई हैं। इन महिलाओ की मांग हमारे हिंदुस्तान की करोड़ो-करोड़ भूखी और गरीब जनता की मांग है। इंसान होने के नाते हर किसी को जीने का हक है और जीने के लिए जो मूलभूत जरूरत है, वह पेट भरने की जरूरत है। पेट का भरना जरूरी है। इसीलिए ये महिलाएं यह मांग करने आई हैं कि हमारे देश मे आर्थिक उदारतावाद के दौर के बाद जिस तरह सार्वजनिक वितरण व्यवस्था को कमजोर किया गया, उसे लक्ष्य केन्द्रित बना दिया गया, उसे सुधारा जाए। आज हम बड़े गर्व के साथ कहते हैं कि हमारे गोदामो मे 6 करोड़ टन अनाज भरा पड़ा है। अगर इन 6 करोड़ टन अनाज के बोरो को एक पंक्ति मे खड़ा कर दिया जाए तो इंसान चन्द्रमा पर जाकर वापस आ सकता है लेकिन धरती पर पड़े हुए इंसानो की हमे कोई खबर नही है। इसलिए संघर्ष सभा यह मांग कर रही है कि हर इंसान को जीने का हक है। इसलिए हमारा जो पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम है, जिसका सार्वजनीन रूप आपने हटा दिया है, उसका सार्वजनीन रूप बरकरार किया जाए और लक्ष्य केन्द्रित प्रणाली के तहत आपने प्रति व्यक्ति के बजाय प्रति परिवार राशन की व्यवस्था कर दी, उसको हटाया जाए। सस्ता राशन पाना हर व्यक्ति का मूलभूत अधिकार है। मुझे उम्मीद है कि इसकी आप गारंटी देंगे।

सभापति महोदय, आज का दिन बड़ा ऐतिहासिक दिन है और मैं इसकी ऐतिहासिकता याद दिलाना चाहती हूं कि आज ही के दिन 10 वर्ष पहले हमारी सरकार ने 73वें और 74वें संविधान संशोधन के जरिए बहुत बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया था और स्थानीय निर्णायक निकायो मे 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की थी लेकिन यह क्रांति, अधूरी क्रांति है। महोदय, प्रधानमंत्री जी यहां बैठे हुए हैं। हर सत्र में हमें यह आश्वासन दिया जाता है कि हम महिलाओ को 33 प्रतिशत आरक्षण विधानसभाओ और संसद मे दे देंगे। मैं प्रधानमंत्री जी से निवेदन करूंगी कि अब संसद का सत्र खत्म होने वाला है, आज के इस ऐतिहासिक दिन पर कम से कम वे यह बताएं कि इस मामले मे क्या प्रगति हुई है, हम कहां खड़े हैं? कम से कम इस बार आप असत्य आश्वासन मत दीजिए।

श्रीमती चन्द्रकला पांडे (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करती हूं। मैं कहना चाहती हूं कि पूरे हाऊस को इससे एसोसिएट करना चाहिए।

SOME HON. MEMBERS : Sir, the whole House associates with the sentiments expressed by Shrimati Sarla Maheshwari.

(उपसभापति महोदया पीठासीन हुईं)

श्रीमती सरला माहेश्वरी : उपसभापति महोदया, मैं आपसे निवेदन करूंगी कि प्रधानमंत्री जी कुछ तो कहे। इतनी खामोशी ठीक नही है। प्रधानमंत्री जी, पूरा सदन आपसे जवाब मांग रहा है। यह खामोशी ठीक नही है।...**(व्यवधान)**...

उपसभापति : देखिए, महिलाओं की बात पर प्रधानमंत्री जी खड़े हुए हैं, चेयर पर भी महिला है।

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : महिलाओं के लिए आरक्षण होना चाहिए इसमें दो मत नही है। आरक्षण किस पद्धति से हो और कितनी मात्रा मे हो इसको लेकर विवाद जरूर है। आरक्षण के सिद्धांत से सब सहमत हैं। तो हमारी महिला सदस्या यह आरोप न लगाएं कि पुरुष उनकी ओर ध्यान नहीं देते।...**(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN : Please, let him speak.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इस संबंध मे राजनीतिक दलों से संसद के भीतर और बाहर भी बात हो रही है। हम तो चाहते हैं कि सदन जब स्थाई रूप से स्थगित हो उससे पहले कोई फैसला कर लिया जाए और इसके लिए हम प्रयत्नशील हैं और सफलता की आशा करते हैं। अगर सफलता प्राप्त नही हुई तो विफलता के कारण लेकर आपके सामने प्रस्तुत हो जाएंगे।

श्रीमती सरला माहेश्वरी : मैडम, ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति : डा0 मनमोहन सिंह जी कुछ कहना चाहते हैं।

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Madam, on this very important subject of Women's Reservation Bill, our party has, on numerous occasions, stated that we are fully in support of this Bill, and we urge upon the Government to bring forward this Bill. We are committed to contribute our share to its passage.

उपसभापति : थैंक्यू प्रधानमंत्री जी जो आपने हाऊस में यह बात कही। अब यह कुछ हो जाए इस सेशन के स्थगित होने से पहले तो हम उम्मीद करेंगे कि हमारी आशाएं कही तो बढ़ी हैं। नेक्स्ट लोक सभा इलेक्शन से पहले तो हो जाना चाहिए।